बिहार विधान-सभा वादवृत्त

बुधवार, तिथि 28 मार्च, 1990 ई०

(भाग-2 कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-वितरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में बुधवार तिथि 28 मार्च, 1990 को पूर्वाह्न 11.00 बजे अध्यक्ष, **श्री गुलाम सरवर के सभापतित्व में प्रारंभ हुआ।**

पटना :
तिथि : 28 मार्च, 1990 ई०

चन्द्रशेखर शर्मा
सचिव
बिहार विधान-सभा

कार्य-स्थगन प्रस्ताव :

श्री एस० पी० जयसवालः हमलोगों का फोटो जन सम्पर्क विभाग के द्वारा खींचा जाना चाहिये था ।

अध्यक्षः माननीय सदस्य, अब कार्य-स्थगन प्रस्ताव पर विमर्श होगा । मैं पढ़ देना चाहता हूँ नियम 103 इसमें है अत्यावश्यक लोक-महत्व के किसी निश्चित विषय पर विमर्श करने के लिये स्थगन का प्रस्ताव होने पर केवल यही प्रश्न रखा जायगा कि सभा अब स्थगित हो'' परन्तु बाद-विवाद के दोसान कोई भाषण पन्द्रह निट से अधिक समय तक का न होगा ।'' मा० सदस्य श्री कुमुद रंजन झा ।

घासी कांड पर श्री कुमुद रंजन झा (सं०वि०स०) द्वारा कार्य स्थगन प्रस्ताव पर वाद्-विवाद

श्री कुमुद रंजन झाः मैं प्रस्ताव करता हूँ ''कि 26 मार्च, 1990 को जहानाबाद जिले के घोसी थाना के लखावर गांव के हत्या कांड पर यह सदन विचार करे ।''

अध्यक्ष महोदय, इस सरकार को, लालू प्रसादजी की सरकार को सत्ता में एक मिनट रहने का भी नैतिक अधिकार नहीं है । अध्यक्ष महोदय, हम नहीं चाहते थे कि पहले ही सदन में इस सरकार पर कार्य स्थगन प्रस्ताव की चोट दी जाय, न मैं चाहता था, न हमारे कांग्रेस दल के नेता और विरोध पक्ष के नेता चाहते थे और न ही कांग्रेस दल चाहता था, लेकिन विवश होकर 16 दिनों की सरकार में 16 घटनाएं घटी हैं । चुनाव के बाद जो माहौल होना चाहिये था वह माहौल खुशहाली

का, उत्साह उमंग का होना चाहिये था लेकिन आज बिहार में आतंक का, अनाचार का, अत्याचार का, दमन का, खून की होली खेलने का वातावरण बना है और इसीलिये उसी का फल है कि परसों रात में घोसी थाने के लखावर गांव में इस तरह की घटना हुई । जिस आक्रमण की शुरूआत दस तारीख को जय प्रकाश नारायण की मूर्ति के पास, जाहां लालू यादव शपथ ग्रहण कर रहे थे, पत्रकारों के साथ अमानुसिक व्यवहार हुआ । वह जो शुरू हुआ, आज 16 दिनों की सरकार में 16 जगहों पर 16 घटनाएं हुई हैं, अगर आप औसत निकालेंगे तो दो घंटे में एक घटना..........

श्री रघुनाथ झाः अध्यक्ष माहेदय, यह कार्य स्थगन प्रस्ताव स्पेसिफिक घटना पर है । यदि यह सारी घटनाओं के बारे में बोलना चाहते हैं तो हम लोगों को कोई एतराज नहीं है लेकिन हम लोगों को भी इस पर व्यापक ढंग से बोलने के लिये समय मिलना चाहिये ।

श्री कुमुदरंजन झाः 16 दिनों की सरकार में 16 जगह नरसंहार की घटनाएं हुई हैं और अन्तिम रोज जो 26 तारीख को 7.45 बजे रात में घोसी थाने के लखावर गांव में एक ही समुदाय के, एक ही जाति के जनकदेव यादव शिक्षक हैं, उनके घर पर बैठ कर समाचार सुन रहे थे, उस समय लगभग डेढ़ दर्जन से अधिक उग्रवादी पुलिस की वर्दी में आये.........

(शोरगुल)

और निहत्ये लोगों पर, निर्दोष लोगों पर, गोलियों की वर्षा कर दी और भून कर उनकी हत्या कर दी । चार आदमी

उसी समय घटनास्थल पर ढेर हो गये । दो आदमी अस्पताल जाते-जाते ढेर हो गये । जो व्यक्ति इस घटना में मारे गये उनके नाम हैं- सर्व श्री राम भवन यादव (40 वर्ष), छुगल यादव (20 वर्ष), बाबू चन्द यादव (50 वर्ष), उपेन्द्र यादव (22 वर्ष), हरिचरण यादव (50 वर्ष), तथा संतलाल यादव (35 वर्ष) ।

अध्यक्ष माहोदय, आप सोच सकते हैं, जनता ने सरकार बनाया किस लिये, जान-माल की सुरक्षा के लिये, जनता दल को जनता ने मौका किसलिये दिया, क्या बिहार के गुंडों को छूट देने के लिये, पुलिस से गोलियां चलवाने के लिये, सत्ता को गुंडों के हाथों सौंपने के लिये, यह उसी का परिणाम है, जो आपने राजनीति में अपराधीकरण किया है । अपराधियों का समावेश किया है, उसका परिणाम आप भुगत रहते हैं, और न केवल आप बल्कि बिहार की 8 करोड़ जनता भी भुगत रही है और बेचैन है अपनी जान-माल की सुरक्षा के लिये । हमारे मा० मुख्य मंत्री का मात्र एक ही काम रह गया है, जाहां घटना हो जाती है, हत्याएं हो जाती हैं, उसके बाद वे हेलीकॉप्टर पर चढ़ते हैं, वहां जाते हैं और घटनास्थल पर पूछताछ करते हैं । आप का इंटेलिजेंस कहां गया, आप यह पता लगाने की क्षमता नहीं रखते, आप यह नहीं जानते, कहां घटनाएवं हो सकती हैं और कैसे हो जाती हैं । अध्यक्ष माहेदय 7.45 बजे रात में घोसी थाने के लखावर गांव में हत्या की भयंकर घटना हुई, 8.45 बजे थाने पर लोग पहुंचे, 11 बजे रात तक पुलिस का एक भी जवान नहीं पहुंचा और सारी कहानी सत्य हो गयी, जबकि घोसी थाना की दूरी लखावर गांव से मात्र तीन किलोमीटर दूर

हैं इनका काम केवल इतना ही रह गया है जहां घटना घटती है, बयान दे देते हैं कि कांग्रेस ने कराया । ....

(शोरगुल)

श्री अवधबिहारी चौधरी: मेरा पाइंट आफ आर्डर हैं यह कि कांग्रेस के लोगों ने ही दंगा कराया है, ऐसा पेपर में निकला है ।

अध्यक्ष: यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है । मैं मा० सदस्यों की सूचना के लिये रेलवेंट पोरशन-11 पढ़ देना चाहता हूँ-

"Not more than one matter shall be discussed on the same motion and the motion must be restricted to a specific matter of recent occurance."

श्री कुमुद रंजन झ : अध्यक्ष महोदय, धीरज नहीं है । बिहार की जनता आज कहती है कि-

मतकल में ये आते हैं खंजर बदल-बदल कर,
यारों, मैं कहां से लाऊं, सर बदल-बदल कर ।"

22 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गयी है और 22 लोगों में मैं बता देना चाहता हूँ, जहानाबाद की घटना में जो 22 लोग हैं, उनमें 16 यादव के लोग हैं, 4 पासवान, 1 ब्राह्मण, एवं 1 दुसाध जाति के लोग हैं । यह जातीय दंगा, उग्रवाद है, इसी से हो रहा है और 16 धटनाएं 16 दिनों में विभिन्न जगहों पर घटित हुई हैं । इनको शर्म से डूब मरना चाहिये और इनको एक क्षण भी सरकार में रहने का कोई अधिकार नहीं है ।

(शोरगुल)

जहानाबाद की घटना में जो उपेन्द्र यादव (22 वर्ष) हो गया, उसके परिवार के लोगों ने कहा है, उसके रिश्तेदारों ने नगीना यादव ने बताया कि सारे अपराधी रामसेवक पासवान गिरोह एवं मजदूर किसान संग्राम समिति से सम्बद्ध है ।

(शोरगुल)

अध्यक्ष महोदय, जब कोई बात उठेगी, सबसे आसान काम है कहना कांग्रेसी गुंडों ने कराया है । इतना कह कर अपना दामन झाड़ लिया । नहीं यह गलत बात है । मुख्य रूप से यह लड़ाई वामपंथी दलों की है, उग्रवादी दलों की है और इस चुनाव में भी कांग्रेस को वहां कोई वोट नहीं मिला । वहां पर दो बूथ हैं और एक बूथ नं. 94 पर कांग्रेस को 15, सी.पी. आई. को 406 और आई.पी.एफ, को 240 वोट मिले । दूसरे बूथ नं. 95 पर कांग्रेस को 17, सी.पी.आई. को 530 और आई. पी.एफ को 277 वोट मिले हैं । इस तरह से वहां लड़ाई वामपंथी दलों में हैं । कांग्रेस को तो वहां कभी अधिक वोट मिला ही नहीं ।

(शोरगुल)

डा० जगन्नाथ मिश्र : अध्यक्ष जी, मैं निवेदन करूंगा कि इस तरह सदन की कार्यवाही नहीं चल सकती । इस तरह आप लोग कोई नहीं बोल सकेंगे । अगर सदन चलाना चाहते हैं, सदन चलाने की जिम्मेवारी सत्ता पक्ष की है और विपक्ष को कहने का हक है, अगर धैर्यपूर्वक इसको नहीं सुनेंगे तो आपको

भी बोलने नहीं दिया जायेगा । तो ऐसे गम्भीर सवाल पर, गंभीर चिन्तन हो रहा है, बाहर में तो लाठी-गोलियां चलायी जाती हैं, यहां तो लाठी-गोली नहीं चलेगी, यहां पर वाद-विवाद चलेगा, यहां पर सिस्टम चलेगा । इसलिये बहस चलने दीजिये ।

श्री कुमुद रंजन झा : अध्यक्ष महोदय, तो मैं कह रहा था कि कांग्रेस पार्टी का वहां के एक बूथ पर 15 वोट मिले और एक बूथ पर 17 वोट मिले हैं.....

(इस अवसर पर सदन में शोरगुल)

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य जो यहां है, चाहे वे इस पक्ष के हों या उस पक्ष के हों सबों की जिम्मेदारी होती है और जिम्मेदारी के साथ यहां रहना चाहिये । मैं माननीय सदस्य से इतना निवेदन करना चाहता हूँ कि जब अध्यक्ष के आदेश से कोई माननीय सदस्य बोल रहे हों तो उनकी बातों को सुननी चाहिये । लेकिन मैं विरोधी दल से भी यह अपील करता हूँ कि जब सरकारी पक्ष के लोग बोल रहे हैं तो उनको हिम्मत के साथ यहां रहना चाहिये और जब सरकार का पक्ष आये तो उनको बैठना चाहिये सदन में मुस्तैद रहना चाहिये ।

श्री कुमुद रंजन झा : अध्यक्ष माहेदय वहां कांग्रेस के दो बूथ पर बहुत कम मत मिले हैं । वहां सी.पी.आइ. और उग्रवादी दल के बीच ये सारी बाते हो रही हैं । अध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान वहां के बूथ संख्या 44 और 45 की ओर ले जाना चाहता हूं । वहां के 44 नं. बूथ पर कांग्रेस को

15 मत मिले और बूथ संख्या 45 पर 17 वोट मिले वहीं बूथ संख्या 44 पर सी.पी.आई. को 406 वोट मिले और आई.पी. एफ को 240 मत मिले, उसी तरह से बूथ संख्या 45 पर कांग्रेस को 17 मत मिले और सी.पी.आई. को 550 और आई. पी.एफ. 270 मत मिले हैं । अध्यक्ष महोदय, इसकी जांच कराई जाय तो तथ्य का पता चलेगा इसमें कौन-कौन लोग हैं और किसने हत्या किया है । वहां कम्युनिस्ट पार्टी । आइ.पी. एफ. और मजदूर किसान संग्राम परिषद के बीच जो लड़ाई है जिसके चलते वहां इस तरह की हत्या की घटना घटी है । सब्सटान्सियल जांच के बाद ही पता चलेगा कि कौन मरें और किसने किसने मारा है । मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मधुबनी में घटना घटी उसके लिये जब इनसे न्यायिक जांच के लिये कहा गया तो उससे कतरा गये । लेकिन वहीं जब जमशेदपुर की घटना के लिये न्यायिक जांच की बात आयी तो उसको वे मान गये । मुख्यमंत्री जी कहते है कि जहां कहीं भी घटना घटती है वे पहुंच जाते हैं और 50-50 हजार रुपया देगें इसकी घोषणा करते हैं ।

मुख्यमंत्री को बिहार की जनता की कोई चिंता नहीं है । इसलिए मैं मांग करना चाहता हूँ कि इस हत्यारी सरकार को, इस दुराचारी सरकार को और जघन्य हत्या करने वाली सरकार को एक क्षण भी शासन में बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है । इसलिए इनको इस्तीफा दे देना चाहिए ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, मैं फिर एक बार दरख्वास्त करता हूँ कि जो भी सदस्य बोलने के लिए उठें, उनको बोलने का अवसर दीजिए ।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं श्री कुमुद रंजन झा द्वारा प्रस्तुत कार्य-स्थगन प्रस्ताव के विरूद्ध बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । इस संबंध में एक कहावत चरितार्थ है कि अपने मूछ मुंडा और दसरे को कहे गुंडा । अध्यक्ष महोदय, जो घटना सुनियोजित ढंग से पिछले 10-12 दिनों से बिहार में हो रही है, उसमें विपक्ष, यानि कांग्रेस पार्टी में जो लोग हैं, द्वारा करायी जा रही है ।

श्री ब्रज किशोर नारायण सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसी बिन्दु पर कमीशन बैठा दीजिए ।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं तथ्यों के आधार पर कहना चाहता हूँ कि जो सच्चाई है, उसपर कार्य स्थगन प्रस्ताव स्वीकार करके जनता दल के नेतृत्व में चलने वाली सरकार ने जमहूरियत और प्रजातंत्र में विश्वास प्रकट किया है, जो आजतक नहीं किया गया है । हमारी सरकार चाहती है कि सत्य प्रकाश में आए । सत्य क्या है ? ज्यों ही घटना घटी, हमारी सरकार वहां गयी और घटना का मुआयना किया है ।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि वहां के एस० पी० श्री दिवाकर का रिपोर्ट छपा है । हो सकता है हम गलत कह रहे हों, आप गलत कह रहे हों और अपने-अपने दल के हित में कह रहे हों । श्री दिवाकर, जो वहां के एस० पी० हैं, ने कहा है कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मरने वाले जो मतदाता थे, वे कम्युनिस्ट पार्टी के साथ थे और मारने वाले कांग्रेस पार्टी के थे ।

श्री कुमुद रंजन झा : अध्यक्ष महोदय, जो मारे गए हैं, उनके बाप-चाचा कहते हैं कि मारने वाले आप थे ।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : आप सत्य को समझने की कोशिश कीजिए और अगर मैं नाम ले लूं तो आप तिलमिला उठेंगे । अध्यक्ष महोदय, मैं अपने मुख्यमंत्री जी से कहूंगा कि मास्टर ईज लायबुल फॉर सरभेंट, जिन्होंने मारा है, वे चाहे कितने बड़े आदमी हों, उनको कानून के पंजे में लाने का काम कीजिए । क्राइम कंट्रोल एक्ट में उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कीजिए । इस घटना में कांग्रेस पार्टी के एक वरिष्ट आदमी का हाथ है, और सरकार को कभी पीछे नहीं हटना चाहिए ।

इस घटना में एक नगीना यादव, जो एक नेता के रिश्तेदार हैं, ने जब कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं दिया, तब कांग्रेस पार्टी की तरफ से एक पर्चा निकाला गया । उस पर्चा में लिखा हुआ था कि तुम हमको वोट नहीं दिए हो, हम तुमको सबक सिखलायेंगे । यह सरकमासटांसियल एभीडेंस है । सरकमासटांसियल एभीडेंस है कि उस बूथ पर कांग्रेस को कम वोट मिला और एक समिति द्वारा समीक्षा करके कांग्रेस पार्टी ने लिफलेट निकाला कि कम वोट के लिए सबक सिखलायेंगे और आपने सबक छः आदमियों की हत्या कर सिखला दिया । इसकी जांच की जायेगी और आपको सजा दी जायेगी ।

श्री दिलीप कुमार राय : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है कि जब लिफलेट निकाला गया तो सरकार उसको रोकने के लिए कौन-सी उपाय की ?

अध्यक्ष : यह कोई व्यवस्था का प्रश्न नहीं है ।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा : अध्यक्ष महोदय, अगर आज वहां कोई दोषी है, तो निश्चित तौर पर वह थाना प्रभारी हैं वे मात्र 3 कि० मी० पर थे । थाना प्रभारी डा० जगन्नाथ मिश्र द्वारा नियुक्त किया गया है । इसलिए उनको भी नहीं बक्सा जायेगा । इन सारी तथ्यों को राजनीतिक रंग दिया गया हैं इन सारी बातों को समीक्षा करके दोषी लोगों को सजा दी जायेगी । इस तरह की राजनीति घटना घटी है । मैं कहता हूँ कि अगर कोई वोट नहीं दे तो उसको कत्ल कर दे । यह एक गंभीर बात हैं आपने पूरे बिहार में अपने कार्यकर्त्ताओं को निदेश दिया है कि जनता पार्टी की सरकार का खिलाफत करो । इसलिए मैं जनता को अगाह करूंगा कि आपका जो षडयंत्र है, उसको विफल कर दे । मैं मुख्यमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि आप कड़ी-से-कड़ी सजा दिलाने पर विचार कीजिए । इन्हीं शब्दों के साथ मैं कार्य स्थगन प्रस्ताव पर अपना भाषण समाप्त करता हूँ ।

श्री चन्द्र मोहन राय : अध्यक्ष महोदय, मैं इस कार्य-स्थगन प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिये खड़ा हुआ हूँ । पिछले चुनाव जिस ढंग से लड़े गये उसके पृष्ठभूमि में हमें जाना जरूरी है । आजादी से पहले अंग्रेजों ने भारत के बंटवारे के लिये हिन्दू और मुसलमानों के बीच झगड़ा करा दिया । आजादी के बाद कांग्रेसी हुकूमत ने अपनी राजनीतिक रोटी सेकने के लिये समाज के हर वर्ण में विग्रह और विभेद लाकर और आपस में लड़वाना और समाज में विग्रह और विभेद पैदा करके इतने दिनों तक गद्दी पर बैठे रहे आज जनता जागरूक हुयी और इनको गद्दी से हटा दिया ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप फौरन जहानाबाद पहुंच जाइये ।

श्री चन्द्रमोहन राय : अध्यक्ष महोदय, इसके पृष्ठभूमि में पिछले चुनाव की चर्चा करना जरूरी हैं पिछले चुनाव में जिस तरह से बलतंत्र ओर धनतंत्र तथा प्रशासन का दुरुपयोग कांग्रेस (आई०) के द्वारा किया गया, उसकी परिणीति है और उसी का परिणाम है कि आज हमारे पार्टी के मकसूदन सिंह मौत और जिन्दगी से जूझ रहे हैं । इसी का परिणाम है कि हमारे पार्टी के श्री कौशलेन्द्र सिंह, गुरुआ, गया को गोली मारी गयी । कांग्रेस की दूषित राजनीति के कारण आज जातिय उन्माद पैदा हो गया है और फलस्वरूप इस तरह के कांड हुए हैं जहानाबाद में निदोष व्यक्तियों की हत्या की गयी, इसलिये हत्या की गयी कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी को वोट देने से इनकार कर दियां । आज जरूरत इस बात की है कि कांग्रेस (आई०) ने जो जाति विग्रह खड़ा किया है, जिस राजनीतिक संस्कृति का बीज कांग्रस (आई०) ने बोयी है और जिस राजनीतिक संस्कृति को कांग्रेस (आई०) ने बिगाड़ दिया है, जिसके कारण समाज में विभेद ओर विग्रह पैदा हो गया, माननीय मुख्यमंत्री जी से मैं अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप उस पर मरहम लगाने का प्रयास करें । कांग्रेस की संस्कृति के खिलाफ मिल जुलकर लोगों ने काम किया और इन्हें सत्ता से वंचित कर दिया गया ।

ये सत्ता से वंचित हो गए हैं उसी तिलमिलाहट में ये ऐसा कर रहे हैं । मैं माननीय मुख्यमंत्री जी को कहना चाहता

हूँ कि हिंसा कहीं भी हो किसी के द्वारा करायी गयी हो उसे सख्ती से दबाया जाना चाहिए, चाहे उसमें लिप्त व्यक्ति कितना ही बड़ा क्यों न हो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए इसमें राजनैतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए । अभी तक राजनैतिक दवाब में राजनैतिक रंग देकर इन्हें नजरअन्दाज करने की कोशिश की जाती है । इसीलिए मेरा अनुरोध है कि किसी भी हिंसक वारदात को राजनैतिक रंग नहीं दिया जाना चाहिए चाहे वह किसी भी पार्टी के द्वारा कराया गया हो चाहे वह आई०पी०एफ० के द्वारा कराया गया हो या कांग्रेस (आई०) के द्वारा कराया गया हो । इसमें सर उठानेवाले का सर सदा-सदा के लिए कुचल दिया जाना चाहिए ।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपना भाषण समाप्त करता हूँ ।

श्री रमेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कुमुद रंजन झा जी का भाषण मैं बड़े धैर्य से सुन रहा था । मैंने जब उनका भाषण सुना तो मुझे एक कहावत याद आ गयी उलटे चोर कोतवाल को डांटे । अध्यक्ष महोदय, जहानाबाद में जो हत्याकांड हुआ है वह बहुत दुःखद है । अब प्रश्न है कि इस तरह का हत्याकांड क्यों हुआ ? किसके द्वारा हुआ और इसके पीछे क्या कारण है । अध्यक्ष महोदय, बिहार में एक राजनैतिक षडयंत्र चल रहा है और वह यह है कि जब से नई सरकार आयी है, जब से बिहार की जनता ने कांग्रेस (आई०) को रिजेक्ट कर दिया है और नई सरकार आई है इस नई सरकार को बदनाम करने के लिए हर महीने कहीं न कहीं हत्याएं करायी जा रही है, साम्प्रदायिक दंगे हो रहे हैं चाहे वह

जहानाबाद का हत्याकांड हो चाहे हरलाखी का हत्याकांड हो, सबके पीछे षडयंत्र ही क़ाम कर रहा हैं इसका सबूत है । घोसी थाने में हत्या किसने की कम्युनिस्ट विधायक दल तथा कुछ दूसरे दल के सदस्य इसकी जांच के लिए कल घोसी गए थे और जांचोपरांत ज़ो सर्वदलीय समिति ने रिपोर्ट दी है उसके एक पारा को मैं पढ़ देना चाहता हूँ, वह है–

घोसी थाने के अन्तर्गत लखावर गांव में 26.3.90 की रात में पांच निर्दोष लोगों को कांग्रेस विधायक जगदीश शर्मा के गुंडों द्वारा निर्मम हत्या कर दी गयी । सर्वदलीय जांच दल के घटनास्थल का निरीक्षण कर पाया कि कुछ दिन पूर्व जगदीश शर्मा, विधायक ने तथा उनके दलालों के द्वारा मृतक लोगों को कांग्रेस के पक्ष में वोट नहीं देने का मजा चखाया जायेगा ऐसा नोटिस दिया गया था । घटना के बाद तीन घन्टे विलम्ब से पुलिस का पहुंचना भी साबित करता है कि इस कांड में पुलिस का भी सहयोग प्राप्त है ।

(इस पर कांग्रेस दल के सदस्यों ने आपत्ति की)

अध्यक्ष : कृपया आप उस कागज को न पढ़ें ।

श्री राजो सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह सर्वदलीय समिति का एक प्रतिवेदन है जिसकी मान्यता सदन में हो ही नहीं सकती है । उससे लिखा है जगदीश शर्मा नहीं, जगदीश शर्मा के लोगों ने ऐसा किया है तो क्या इसकी मान्यता आसन दे रहा है और अगर नहीं तो इनको वापस ले लेना चाहिए ।

श्री रमेन्द्र कुमार : मैं अभी दूसरा सनटेन्स ही बोला कि कांग्रेस के लोग आग बबुला हो गये । यह काण्ड श्री जगदीश

शर्मा ने नहीं कराया तो प्रश्न यह उठता है कि श्री जगदीश शर्मा कल और परसों विधान सभा से क्यों अनुपस्थित थे ।

(शोरगुल)

अध्यक्ष : शांति । माननीय सदस्यगण कृपया आसन ग्रहण करें ।

श्री राजो सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री रमेन्द्र कुमार अनुपस्थिति की बात कह रहे हैं तो विधान सभा में अटेनडेन्ट रजिस्टर होगा उसको देखकर कहिये कि वे हाऊस में थे या नहीं ।

(शोरगुल)

अध्यक्ष : शांति, शांति ।

डा० जगन्नाथ मिश्र : सदन सरकार के दस्तावेज से सम्बद्ध है । अगर सरकार का कोई दस्तावेज हो, सरकार की कोई जांच रिपोर्ट हो तो उसकी चर्चा हो सकती है । उसमें भी यदि किसी माननीय सदस्य के बारे में चर्चा करनी हो तो आपकी अनुमति के बाद ही चर्चा की जा सकती है । यही परम्परा भी है और नियम भी है । गैर-सरकारी स्तर की रिपोर्ट, किसी पार्टी की जांच रिपोर्ट सदन के सामने प्रस्तुत करने की कोई परम्परा नहीं रही है । इसलिये ऐसी परम्परा नहीं दिखाइये कि गैर-सरकारी स्तर की सूचनाओं को पढ़ा जाय । माननीय सदस्य श्री रमेन्द्र कुमार अपनी पार्टी का दस्तावेज यहां पर पेश नहीं कर सकते हैं, इनको कोई अधिकार नहीं है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप अपनी पार्टी की कमिटी की रिपोर्ट नहीं पेश कीजिये ।

श्री रमेन्द्र कुमार : हमारे दल के नेता माननीय सदस्य श्री सत्य नारायण सिंह और तीन सदस्य गये थे ।

श्री कुमुद रंजन झा : यह कम्युनिस्ट पार्टी का औफिस है ?

श्री रमेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, जब कोई माननीय सदस्य किसी घटना की जानकारी देते हैं तो पूरी सत्यता के साथ जानकारी देते हैं । हमारे विधायक जो घटनास्थल पर गये थे....

श्री शकुनी चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का सवाल है । अगर कांग्रेस के लोग हत्या किये होते तो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के आदमी बचकर भाग नहीं सकते थे ।

अध्यक्ष : यह व्यवस्था नहीं है ।

श्री रमेन्द्र कुमार : अध्यक्ष महोदय, तो मैं कहना चाहता हूँ कि आप इस बिन्दु की भी जांच कराइये कि श्री जगदीश शर्मा का इस हत्या काण्ड में हाथ है या नहीं । मैं सरकार से मांग करता हूँ और उसी के साथ कहना चाहता हूँ कि इस हत्या काण्ड के पीछे जाना होगा ।

(इस अवसर पर शोरगुल हो रहा था)

श्री रमेन्द्र कुमार : हत्याकांड के पीछे राजनीति क्या है । मैं कहूंगा कि वोट ही राजनीति है । उस गांव के लोगों ने

कांग्रेस को वोट नहीं दिया था उसी के परिणामस्वरूप उसे गोली मार दी गयी । वोट न देने के बदले ये गोली की बात करते हैं । जो लोग गोली में विश्वास करते हैं, वे जनतांत्रिक नहीं हैं । इसलिये कांग्रेस के लोगों को शर्म आनी चाहिये ।

अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि 27 फरवरी, 1990 को घोषी में मतदान हुआ । हिन्दुस्तान समाचार पत्र का फोटोग्राफर वहां मौजूद था । उसने जो उस दिन का वहां का फोटो लिया, वह पेपर में 28.2.90 को प्रकाशित हुआ है, जो मेरे हाथ में है । उस दिन अवैध रिवाल्वर के साथ एक शिक्षक भी पकड़े गये । घोषी थाना के आमने सामने श्री स्नेही सिंह के मकान से गोली चलाते हुए डी०एस०पी० ने कुछ बुथ लूटेरों को पकड़ा । साथ ही कुछ अवैध पिस्तौल, रायफल बन्दूक भी पकड़ा गया । इसका भी फोटो है ।

(शोरगुल)

घोषी का बुथ कब्जा करने के लिये श्री कामेश्वर प्रसाद सिंह, कांग्रेस के उम्मीदवार के पास भी अवैध आग्नेयास्त्र था इसलिये उन्होंने लोगों की हत्या की । अध्यक्ष महोदय, अब मैं जहानाबाद जिला के घोषी थाना का ही बात कहता हूँ कि दिनांक 26 मार्च 90 को 5 निर्दोष लोगों की हत्या की गई । और घटना के तीन घंटे बाद वहां पुलिस पहुँचती हैं उनका कसूर सिर्फ यही था कि वह मतदान में कांग्रेस को वोट नहीं दिया था । घोषी थाना कांड संख्या-36, 90 एवं 39 90 जो कांड मतदान के बाद भी चला और जिसको एस० पी० ने गिरफ्तार भी किया था फिर क्यों एस० पी० ने उस मामले को

फाइनल कर दिया । क्या वह एस० पी० कांग्रेस का दलाल नहीं था । वहां इस तरह के खून की होली खेली गयी है । इसलिये मेरा कहना है कि जितने लोगों की हत्या हुई है, उनके परिवार के लोगों को एक-एक लाख रुपया का मुआवजा दिया जाये और किसी भी हालत में दोषी को नहीं बक्सा जाय । मुख्यमंत्री आप हिम्मत न हारें मैं आपके साथ हूँ । कुचलने में मैं भी साथ दूंगा । वह दोषी और अपराधकर्मी आदमी चाहे डा० जगन्नाथ मिश्र का हो या किसी का भी, उसे बख्शा नहीं जाय । मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि जहानाबाद के एस० पी० को न सिर्फ बदली की जाय बल्कि उसे सजा भी दी जाय । दारोगा को भी सजा दी जाय । इन अफसरों ने इस सरकार को बदनाम करने के लिये यह मुहिम चलाया है । षडयंत्र में शामिल रहा है ।

श्री सूरज मंडल : अध्यक्ष महोदय, हम घोंसी की घटना की निन्दा करते हैं और हर आदमी को इस घटना के बारे में चिन्तित होना चाहिए लेकिन इसका जो रंग है, उसको आज राजनीतिक रंग दिया जा रहा है । मुझे तब और आश्चर्य हुआ कि आज वैसे लोग बढ़-चढ़कर बोल रहे हैं, जिनके समय में 42 सालों के अन्दर इस तरह का दंगा ही दंगा होता रहा है, जिसे हमलोग देखते आये हैं इस देश में, इस राज्य में । 42 सालों के दरम्यान में आपने दंगा सृजन करने का काम किया, साम्प्रदायिक दंगा सृजन करने का काम किया, ऊंच-नीच, भेद-भाव पैदा करने का काम किया है । एक कहावत है-"जस करनी तस भोगहु ताता की नरक जात अब क्यों पछताता," आपको नरक में जाना ही होगा ।

अध्यक्ष महोदय, इस राज्य के अन्दर में इस तरह की घटना घटाने में साजिश हो रही हैं चुनाव के पूर्व में कांग्रेसी सरकार ने भ्रष्ट लोगों को थाने में बैठाया, जिला में बैठाया, जिसका आज यह परिणाम हैं । मैं आपको बताना चाहता हूं कि जमशेदपुर की घटना जब घटी थी तो मैंने घटना घटने के पूर्व में ही बिहार के वरिष्ठ पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी को बताया था कि वहां पर ऐसी घटना घटने वाली है लेकिन इसको किसी ने नहीं सुना और वहां पर घटना घट गयी । मैं उदाहरण देना चाहता हूँ....

श्री एस० पी० राय : अध्यक्ष महोदय, ये जहानाबाद के बारे में नहीं बोल रहे हैं, इनको यहां के बारे में बोलने के लिये कहा जाय ।

श्री सूरज मंडल : माननीय सदस्य, श्री एस० पी० राय जी, आप कोयला अंचल में इस तरह के बहुत खेल खेले हैं, आप मेरी बात सुनिए ।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि एक पदाधिकारी को मैंने टेलीफोन किया कि क्यों इस तरह का अन्याय किया जा रहा है, अन्याय मत कीजिए तो उन्होंने कहा कि हम ऐसा काम करेंगे तब भी, न करेंगे तब भी हम यहां से जाने वाले हैं । कांग्रेसी सरकार ने पूर्व में भ्रष्ट लोगों को पदस्थापित किया जिस कारण इस राज्य में आज अव्यवस्था है, घोंसी जैसी घटना आज घट रही ये लोग जानते हैं कि उन्होंने ऐसा काम किया है, उनके दिल में इस तरह बात है कि हमलोग कसूरवार है, नयी सरकार को इस बात का पता है, हमलोगों

का ट्रान्सफर कर दिया जायगा । घोसी में जो घटना घटी है, उसके बारे में हमें लोगों ने जानकारी दी है कि वोट नहीं देने के कारण इस तरह की घटना घटी है । कांग्रेस को वोट नहीं मिला, कांग्रेस को वोट नहीं देने के कारण कांग्रेसी समर्थकों ने वहां के लोगों को कहा कि हम सबक सिखला देंगे । जो सही बात है, वहीं मैं कह रहा हूँ, आपलोग कभी भी वोट देकर जीतकर नहीं आये । वहां पर कांग्रेस को वोट नहीं देने के कारण हत्या की घटना हुई ।

आप दोषी हैं, इसे स्वीकार कीजिए और गंगा जल से स्नान कीजिए । आप हत्याएं करके चुनाव जीते हैं । अध्यक्ष महोदय, ये लोग हत्यारें हैं । जिस औफसर के बारे में कहा गया, एस० पी० साहब जो हैं, उनके बारे में समूचे बिहार के लोग जानते हैं । वे कांग्रेस के चापलूस थे । एक सिपाही कहता है कि बीस दिन की छुट्टी लेने का कीमत वे मांगते है । डा० जगन्नाथ मिश्र उनको वहां पदस्थापित किये थे तो वे हत्याएं नहीं करेंगे तो क्या करेंगे । इस तरह से साजिश बिहार में हो रहा है और अभी रामनवमी के अवसर पर भी ऐसे भ्रष्ट पदाधिकारी को वहां नहीं रहना चाहिए । ऐसे आदमी के बारे में सी० बी० आई० में केस दर्ज है और उनको डिस्ट्रीक्ट में पोस्टींग करने की क्या जरूरत थी । आप इस पदाधिकारी के ऊपर अंकूश लगाइये और इन पर मुकदमा दर्ज किया जाय नहीं तो इस राज्य में ऐसे पदाधिकारी रहेंगे तो निर्दोष आदमी की हत्या होती रहेगी और ऐसे लोगों का समर्थन मिलता रहेगा । अपने आत्मा को टटोलिये और हत्या बंद कीजिए । मैं इन्हीं शब्दों के साथ बैठ जाता हूँ ।

श्री रामाश्रय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं शुक्रगुजार हूँ बिहार की आठ करोड़ जनता का जिन्होंने बिहार में ऐसी सरकार की स्थापना की है जिसके अन्दर जनतांत्रिक मूल्यों के प्रति आस्था है और सरकार इधर अतीत में ऐसा महसूस कर रही थी कि कांग्रेस के लोग जब हुकूमत में थे लगता ही नहीं था कि कार्य-स्थगन संसदीय कार्य-सूची का कोई विषय है या संसदीय कार्य प्रणली में यह कोई महत्व रखने वाली चीज है । अध्यक्ष महोदय, आपने लखावर में जो जघन्य हत्या हुई उसके सिलसिले में ऐसे प्रस्ताव को स्वीकृति किया है । हम कहना चाहते हैं कि यह जो घटना है शुद्ध रूप से राजनीतिक घटना है । इसके पहले प्रस्ताव रखते हुए माननीय सदस्य, श्री कुमुद रंजन झा जी ने कहा कि चूँकि यहां कांग्रेस (आई०) को 15 वोट, 16 वोट मिले थे और मैं खासकर मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि बिहार के अन्दर वैसे तमाम लोगों को सतर्क रखना पड़ेगा कि जहां-जहां कांग्रेस (आई०) को जिस जिस बूथ पर 15 ओर 18 वोट मिले हैं वे सतर्क हो जाय क्योंकि इनके शब्दावली में जो वोट नहीं दिये हैं, कांग्रेस को रिजैक्ट करते हैं, वे सजाये मौत के सिवाय और कुछ नहीं हैं और निश्चित रूप से यह शर्मिन्दा दोने का विषय है । आज इस चीज को एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप कर के नहीं टाल सकते हैं । ये राजनीति हिफाजत के लिये पूरे बदनाम हैं । उनके संरक्षण में हत्यारों को संगठित करने के लिए बिहार बदनाम हुआ हैं बदनाम तब हुआ है जब कांग्रेस (आई०) के लोग अपने हुकूमत में थे, जब पूरा शासन तंत्र इनके हाथ में था । आज मैं पूछना चाहता हूं ऐसे मित्रों से कि आपने ऐसा

पाप किया तभी जनता ने आपको सजा दी, आपको हुकूमत से हटा दिया ।

क्या इस सजा से भी आपने कोई सबक नहीं लिया है और आपने फिर पुरानी बातों को दोहरा रहे हैं और बिहार के अंदर अपने आप इसी तरह से अपने पुराने हथकंडों को जारी रखेंगे ।

(सदन में शोरगुल)

अध्यक्ष : माननीय सदस्य घटना तक ही सीमित रहे ।

श्री रामाश्रय सिंह : मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि यद्यपि आपने जो कदम उठाया है, वह एक साहसिक कदम है, लेकिन बात यही पर समाप्त नहीं हो जाती हैं इस घटना में जो भी, दोषी हैं एक सप्ताह के अंदर, चाहे जो भी इसमें अपराधकर्मी हो, किसी दर्जे के हों, एक सप्ताह के अंदर गिरफ्तार कर जेल के अंदर डाला जाना चाहिए और यदि वे पकड़ में नहीं आते हैं तो एक-एक चल सम्पति थाने में होनी चाहिए । उनके चल सम्पत्ति का नामोनिशान मिटा दिया जाना चाहिए । तीसरी बात कहना चाहूँगा कि 15, 20 या एक महीना के अंदर आरोप पत्र समर्पित किया जाना चाहिए और मुकदमा चलाने को कारवाई होनी चाहिए । हम यह भी कहना चाहेंगे निश्चित रूप से पुलिस विभाग के अधिकारी की एक बैठक करें और उसमें यह साफ-साफ बता दें कि कांग्रेस पार्टी के लोगों नेउ उनको यह कहा था कि हमारे जायज और नाजायज सभी कामों में सहयोग दिया जाना चाहिए । इसलिए अब उनको बतला देना चाहिए कि ठाठ पलट दिया

गया है । प्रशासन के शह पर गुंडागर्दी नहीं चल सकती है । एडमिनिस्ट्रेशन में हत्या की राजनीति नहीं चल सकती है । आप उन्हें यह बात बतला दें ।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, और सदन में उपस्थित सदस्यगण, यह एक बहुत ही गंभीर मामला है, बिहार राज विलट रहा है, रो रहा हैं, जहानाबाद में 5 निर्दोष लोगों की हत्या हुई सी. पी. आई. के साथी लोग थे, हरलाखी में 5 सी. पी. आई. के लोगों की हत्या हुई । मैं जहां तक जानता हूँ चाहे मामला नई सरकार के आने के बाद 6 जिलों में जो हुए हैं, तो मैं कहना चाहता हूँ कि इसी जहानाबाद जिले में नगवा नदवां में 19 गरीब हरिजनों का कत्लेआम हुआ । धनहीं में 11 हत्या हुई, इसी तरह पारस वीघा और दुहिया में जनसंहार होता रहा और इस नरसंहार के लिए मुख्य रूप से दोषी कांग्रेस पार्टी है, क्योंकि कांग्रेस की संस्कृति हत्या की संस्कृति को बढ़ावा देना है ।

श्री दिग्विजय नारायण सिंह : ऐसी बात नहीं है ।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : यही बात है ।

(सदन में शोरगुल)

अध्यक्ष महोदय, पूरे बिहार प्रांत में खासकर मध्य बिहार के जहानाबाद में आए दिन जनसंहार की घटनाएँ होते रहती है, गरीबों और हरिजनों का कत्लेआम होता रहता है, उसके पीछे नीजी सेनाओं का हाथ है । ये जो निजी सेनाएँ हैं, सचमुच में गुंडा सेनानी है । मध्य बिहार में कहीं पर भूमि सेना है, तो

कहीं परलौरिक सेना है, कहीं लाल सेना है, ये तमाम निजी सेनाएँ जो गुंडा वाहिनी है, ये गरीबों का कत्लेआम कर रहे हैं, खासकर जहानाबाद जिले में ।

(सदन में जबरदस्त शोरगुल)

श्री शकील अहमद : मेरा व्यवस्था का प्रश्न है । व्यवस्था का प्रश्न यह है कि माननीय सदस्य जो अभी भाषण दे रहे हैं, तो सदन के जो माननीय सदस्य हैं, उनका नाम ले रहे हैं । बिना सबूत के किसी भी माननीय सदस्य का नाम नहीं लिया जा सकता है । इसलिए इसे प्रोसिडिंग से हटा दिया जाय ।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : सच्चाई पर पर्दा क्यों डालना चाहते हैं ।

कांग्रेस पार्टी के सदस्यगण : इसे प्रोसिडिंग से हटा दिया जाना चाहिए ।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : सच्चाई को सुनना पड़ेगा, ये हत्यारे लोग हत्या का खेल बिहार में नहीं खेल सकते । ये सारे लोग बिहटा, बनवार में नरसंहार कराया । ये लोगों को यह बात सुनना होगा ।

(सदन में शोरगुल)

श्री लालू प्रसाद : मेरा माननीय सदस्यों से निवेदन है कि इस पक्ष के या उस पक्ष के तमाम सदस्यों से, ये दूसरे के लिए उपदेश नहीं है, जब पहले आप भी बोलने लगते हैं तो दूसरे का नाम लेते हैं, जब कोई दूसरा नाम लें तो आप भी सून

लें तो आप भी सुनें । माननीय सदस्य ने भी कहा था उग्रंवादी संगठन संग्राम समिति का हाथ है तो ये बोलते हैं, तो इन्हें भी बोलने दिया जाय ।

श्री रामजतन सिन्हा : हमें कोई अपत्ति नहीं होगी । अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बात की कोई आपत्ति नहीं होगी, यदि सदन के नेता इस तरह की परिपाटी चलाना चाहते हैं । लेकिन अध्यक्ष महोदय, एक बार नहीं अनेकों बार इस विषय पर नियमन हो चुका है कि सदन के सदस्य जो सदन में बैठे हुए हैं, उनके बारे में बिना कोई सबूत के नहीं बोल सकते हैं ।

श्री हिन्दकेशरी यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी व्यवस्था का प्रश्न हैं जब आपने इनकी व्यवस्था को सुन ली तो मेरी व्यवस्था को भी सुनिये । इनके प्वायंट ऑफ ऑर्डर को आपने सुन लिया, सारा सदन सुन लिया, मेरा जो प्वायंट ऑफ ऑर्डर है, उसको भी सुनने की कोशिश कीजिये ?

अध्यक्ष : इसके बाद आपका भी सुना जायेगा ।

श्री रामजतन सिन्हा : अध्यक्ष महोदय, यदि माननीय सदस्यों का नाम आया है प्रोसिडिंग में, एक बार नहीं निकाला गया, छपने से नहीं रोका गया, तो इनका भी नाम लिया जायेगा और वह भी प्रोसिडिंग में आयेगा ।

इसलिए किसी का नाम प्रोसिडिंग्स में नहीं जा सकता है बिना प्रमाण के ।

श्री हिंदकेशरी यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर हैं यह सदन जितना पवित्र सत्ता पक्ष के लिए है

उतना ही पवित्र विरोधी पक्ष के लिए भी है । दोनों पक्ष के आप कस्टोडियन हैं और हमारी रक्षा करना, सदन की रक्षा करना आपके ऊपर निर्भर करता है । जहां तक मैं समझता हूँ सदन की कार्यवाही के संबंध में वह यह है कि आपकी तरफ से किसी तरह का नियमन हो जाय तो उसका पालन मुझे भी करना चाहिए और विरोधी पक्ष के लोगों को भी करना चाहिए । मैं उधर रहकर भी देखा हूं और इधर रह कर भी देख रहा हूं । ये क्या करते थे मैं देखा हूँ और मैं क्या कर रहा हूं, मेरे मुख्यमंत्री क्या कर रहे है । मैं देख रहा हूँ । अध्यक्ष महोदय, आप सुन लीजिये । मैं कोई व्यक्तिगत बात नहीं कर रहा हूं । मैं सदन की गरिमा के लिए, आपके सामने सवाल रख रहा हूं । मेरा कहना यह है कि कॉमरेड ने जो कुछ कहा जिसके ऊपर सारे कांग्रेस के लोगों ने बहुत हंगामा किया ।

श्री ब्रज किशोर नारायण सिंह : अध्यक्ष महोदय, हिंद केशरी यादव भाषण दे रहे हैं या व्यवस्था के सवाल पर बोल रहे हैं ।

श्री हिंदकेशरी यादव : जनतांत्रिक प्रणाली में क्या जन प्रतिनिधियों को यह छूट है कि हत्या करके सदन में आवें तो उन पर नहीं बोला जाय, इसके ऊपर आप अध्यक्ष महोदय रूलिंग दें ।

श्री कृष्णनंदन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का सवाल यह है कि श्री कृष्णदेव सिंह यादव जी ने कहा है कि यह संगठन भूमिहारों का है, ब्रह्मर्षि समाज भूमिहारों का है ।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : हमने कहा है कि ब्रह्मर्षि सेना के कमांडर ये हैं । भूमिहार का नाम मैंने नहीं लिया है ।

श्री कृष्णनंदन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा चैलेंज है कि जहानाबाद में ब्रह्मर्षि सेना नाम का कोई चीज नहीं है । मैं इसे साबित करता हूँ नहीं तो मैं अपना सदस्यता से त्याग पत्र दे दूँगा । जहानाबाद में गुंडागर्दी और लोगों की हत्यायें आई.पी. एफ. के लोग करवा रहे हैं ।

(शोरगुल)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, हाउस को तो ऑर्डर में लाना आपका काम है, अधिकार है । एक बात और निवेदन करूंगा । व्यक्तिगत आक्षेप जो आए हैं सदन में चाहे इधर से या उधर से उसको प्रोसिडिंग्स से हटवा दीजिये लेकिन एक बात कुमुद रंजन झा जी आपसे कहता हूँ कि आपने कई एक संगठन का नाम लिया । जब आप किसी संगठन का नाम लेते हैं तो आपको यह समझना चाहिए कि दूसरे आदमी को भी सफाई देने का हक है ।

श्री कुमुद रंजन झा : मैं किसी संगठन का नाम जिम्मेदारी के साथ लेता हूँ । आप और मुख्यमंत्री दिन रात गाली बकते हैं और संगठन का नाम लेते हैं । लेकिन मैंने किसी सदस्य का नाम नहीं लिया है, संगठन का नाम लिया है, लिया है लेंगे ।

श्री अवध बिहारी चौधरी : कुमुद रंजन झा जी हाथ भांजने वाले इधर भी बैठे हुए हैं इसको मत भूलिये ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, पिछले कुछ मिनटों में इस सदन में जिन माननीय सदस्यों का नाम लिया गया वे जुमले सदन की कार्यवाही से हटवा दिये जायं और वह प्रेस में भी नहीं जायेगा । माननीय सदस्य अपना बयान जारी रखें ।

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को सुझाव देना चाहता हूँ और खासकर बिहार के नये मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ कि पूरे बिहार में खून की होली यदि आप रोकना चाहते हैं तो पूरे बिहार के जितने निजी सेना या संगठन हैं, सामंत हैं, गुण्डे हैं, चोर हैं, डाकू हैं, ऐसे लोगों को पिछली सरकार, कांग्रेस पार्टी की सरकार हजारों हजार की संख्या में बंदूक का लाईसेंस रखी है और इन गुण्डों के पास हजारों हजार की संख्या में नाजायज बंदूक है । मैं नई सरकार से मांग करता हूँ कि तमाम राईफल और बंदूक का लाईसेंस रद्द किया जाय और गरीबों को, कमजोर वर्ग के लोगों को, हरिजनों को आप राईफल और बंदूक का लाईसेंस दीजिये ताकि वे अपनी रक्षा कर सकें । मैं एक बात और अपने सी० पी० आई० के मित्रों से कहना चाहता हूँ कि ऐसे नरसंहार को रोकने के लिए जन आंदोलन चलायें और आई० पी० एफ० जहानाबाद जिला और पूरे मध्य में इसके लिए तैयार हैं और हम मिल जुलकर जनआंदोलन खड़ा करें ।

(इस अवसर पर सदन में शोरगुल)

श्री शिवनंदन झा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है । प्वायंट औफ आर्डर यह है कि जो माननीय सदस्य

आज यहां आये हैं । हम सुन रहे हैं कि कोई लौरीक सेना, कोई ब्रह्मर्षि सेना बता रहे हैं । क्या-ये किसी जाति का प्रतिनिधि बनकर आये हैं कि जनता के प्रतिनिधि बनकर आये हैं । दूसरी चीज मैं कहना चाहता हूँ कि यह सदन कैसे चलेगा ? सदन चलाने के लिये मर्यादित वातावरण होना चाहिये । आप इस पर कार्रवाई करें ।

अध्यक्ष : ठीक है । आप कृपया बैठ जायं ।

श्री रामलखन सिंह यादव : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं कभी नहीं चाहूँगा कि मेरे मुंह से कुछ ऐसी बात निकले जो किसी माननीय सदस्य की भावना पर पड़े या असंसदीय हो । अगर ऐसी कोई बात मेरे मुंह से निकल जाय और आप जिस वक्त मुझको कहेंगे, दुःख प्रकट करने में मुझे तकलीफ नहीं होगी । इन शब्दों के साथ मैं बड़े क्षोभ, क्रोध और आक्रोश के साथ कुछ कहने के लिये खड़ा हुआ हूँ । इसलिये कि मुझको उस गांव से जहां की घटना है, जिसका जिक्र हो रहा है उस गांव को मैं काफी दिनों से जानता हूँ, काफी दिनों से मेरा संबंध है । वह गांव बहुत प्रतिष्ठित, बहुत पुराना और बहुत बड़ी बस्ती है । उस गांव को सोलह पट्टी और बत्तीस पट्टी कहकर भी पुकारा जाता है । यह ठीक है कि आपस में यदाकदा झगड़े हुआ करते हैं । लेकिन मैं विश्वास के साथ कहना चाहता हूँ कि इस कांड से उन दोनों पट्टियों के आपसी तकरार से कोई संबंध नहीं है । मैं इस बात को पूरा जिम्मेदारी के साथ कह सकता हूँ । उसी तरह से यह भी कहना चाहता हूँ कि जो लोग समझते हैं कि इसमें कोई चुनाव के चलते ऐसा

कांड हुआ है, मैं इसको भी नहीं मानता हूँ । वहां के लोग मारे गये संभवतः बहुत सारे लोग वहां गये भी नहीं होंगे, वहां के लोगों को देखा भी नहीं होगा लेकिन मैंने वहां पर हाईस्कूल खुलवाया है, कालेज की स्थापना करवायी है, बैंक खुलवाया है और मैं उस गाँव को अच्छी तरह से जानता हूँ । इसलिये मैंने कहा कि मुझे बहुत दुःख के साथ वहां की बातों को उठाना पड़ रहा है । अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत तफसील में नहीं जाना चाहता क्योंकि बहुत सी बातें सदन में आ चुकी हैं किसी-न-किसी रुप में कि कौन-कौन मारे गये हैं, किसने मारा है । अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि बार-बार सत्ता पक्ष के सदस्यों की तरफ से यह कहा जा रहा है कि जब से सरकार बनी है तब से कांग्रेस के लोग इस तरह की हत्या करवा रहे हैं । इस संबंध में मैं बहुत ही विनम्रतापूर्वक कहना चाहूंगा सत्ता पक्ष के सदस्यों से, मुख्यमंत्री से कि इधर के लोगों में इतनी क्षमता है कि बैठते बैठते एक दिन भी आपको चैन नहीं लेने दें और इस तरह का कांड करा दें तो आपकी सरकार का निक्कमापन है और मैं जरुर कहूंगा कि आपको सत्ता में रहने का कोई हक नहीं है । चाहे हम रहे चाहे कोई रहे अगर आपकी हुकूमत के पास साक्ष्य है, सही सबूत मिले इस तरह का कांड में जिसका भी हाथ हो आपको जिम्मेदारी के साथ उस कांड से निपटना चाहिये और वैसे व्यक्तियों को सजा देनी चाहिये । लेकिन आप करते हैं क्या ?

अध्यक्ष महोदय, मैं कुछ साक्ष्य उपस्थित करना चाहता हूँ । एक हैं मुसाफिर यादव जो घटना के समय वहां थे । असल साक्ष्य थे । जब गोली चलने लगी तो वे वहां थे ।

उन्होंने कहा कि 30-40 लोग आये और उसके बाद 18-20 घरों में घुस गए और गोली चलाने लगे । यह बयान में उन्होंने कहा है । इसके बाद सुरेन्द्र यादव का बयान है । उन्होंने कहा कि लोग आये नारा लगाते हुये चले गये और बोले कि-आई० पी० एफ० जिन्दाबाद, थाना प्रभारी जिन्दाबाद । वे लोग मार कर जाने लगे तो इस तरह का नारा लगाया ।

(शोरगुल)

श्री कृष्णदेव सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, रामलखन बाबू आई० पी० एफ० का नाम ले रहे हैं । डा० मिश्र के बगल में रहकर आप भी सच नहीं बोल रहे हैं ।

(शोरगुल)

श्री रामलखन सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैंने माननीय सदस्य, श्री कृष्णदेव सिंह यादव का भाषण जब वे बाले रहे थे तो ध्यानपूर्वक सुना और एक बार भी बीच में नहीं टोका । मेरी आदत भी नहीं है । तो मैं कहना चाहता हूँ कि सुरेन्द्र यादव ने आगे क्या कहा । उसने कहा कि-उग्रवादी पुलिस वर्दी में आये और तड़ातड़ गोलियां चलाने लगे एस० पी० ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद इस संवाददाता को बताया है कि यह घटना दो यादवों के आपसी झगड़े का परिणाम है ।

श्री लालू प्रसाद : माननीय सदस्य, श्री रामलखन सिंह यादव, जो एक पुराने नेता है, अखबार का हवाला दे रहे हैं । अखबारों में क्या कहा गया है, क्या नहीं कहा गया है इसको आप नहीं पढ़े । अगर आपको हमारी मदद की जरूरत है तो

हम एफ० आई० आर० दे देते है उसे आप पढ़ लेंगे । अखबारों की बात पर हम नहीं जायं । अखबार में क्या छपता है, नहीं छपता है । एस० पी० क्या है नहीं है । उस एस० पी० के हवाले को रेकर्ड करे जिस एस० पी० पर कई तरह के आरोप हैं, छींटे हैं । वैसे मैं अपने जवाब में उन सारे तथ्यों को रखूंगा । उस एस० पी० के विषय में और आगे हमने क्या कार्रवाई किया दूसरे केसों के मामले में भी मैं आने वाला हूँ । इस घटना के विषय में अखबारों में नहीं जाय । अखबारों में क्या छपा है, नहीं जायं । आपकी मदद के लिये यदि आप चाहें तो एफ० आई० आर० की कापी आपको भिजवा देता हूँ ।

श्री रामलखन सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सभा नेता की राय से सहमत हूँ । अगर ये मुझसे पूछते तो इस एस० पी० के बारे में, उस गांव के कांड के संबंध में बहुत मदद करता । मैंने पहले ही कह चुका हूँ कि सारी बाते सदन में नहीं कह सकता हूँ । चूँकि अध्यक्ष महोदय अखबारों में छपा था इसलिये उसको उद्धृत अंश पढ़ा ।

अध्यक्ष महोदय, हमलोगों के यहां देहात में कहावत है जब पड़ोसी का घर जलता है तो गुंडे हाथ सेंकते है और भले लोग आग बुझाने की कोशिश करते हैं । मैंने जो तथ्य रखा है जो लाशें लेकर आये हैं, जिस विधवा को विलखते हुये माननीय मुख्यमंत्री ने स्वयं देखा है, बातचीत की है, जिन बेटियों की मांग का सिंदुर धुल गया उनको भी देखा है । हमलोग यहां बैठे हुये हैं राज्य की जनता के कस्टोडियन हैं । ऐसे जघन्य घटना को लेकर पार्टी के नाम पर हम लोग एक

दूसरे पर आक्षेप कर रहे हैं मेरी समझ से इससे बढ़कर बदकिस्तमती की बात नहीं हो सकती । इसलिये मैं कहना चाहता हूँ मुख्यमंत्री जी से की चाहे कोई भी हो, चाहे कोई दल के हों, चाहे कोई पार्टी के हों, जहां तक कांग्रेसी पार्टी का सवाल है उसका मैं एक जिम्मेदार सदस्य हूँ, कांग्रेस का मैं जन्म से सदस्य हूं । इसलिए मैं कांग्रेस पार्टी को जानता हूं । कांग्रेस पार्टी का अपना कल्चर है । कांग्रेस पार्टी का अपना कार्यक्रम है । कांग्रेस पार्टी का अपना उद्देश्य है और कांग्रेस पार्टी का जो कार्यक्रम है वह एक दिन से नहीं बल्कि 100 वर्षों से है और उसके खिलाफ आपकी बड़ी-बड़ी आवाजें उठ रही हैं । मैं शुरु से इसमें हूँ और हमने बहुत आवाज देखा है, मैं किसी पर आक्षेप नहीं करता हूँ । हमें हिंसा पर विश्वास नहीं है और न मैं हिंसा करता हूँ और यदि हमारे पार्टी का कोई भी पकड़ा जायेगा तो हमारी पार्टी उसे क्षमा नहीं करेगी । मुख्यमंत्री इसकी जांच करा लें । एफ० आई० आर० में 22 आदमी का नाम है जिसमें किनका नाम है मुख्यमंत्री स्वयं एफ० आई० आर० को देख लें । अगर एफ० आई० आर० में किसी का भी नाम दे दें तो इतना ही काफी नहीं है इसलिये मैं मुख्यमंत्री से यह आग्रह करुँगा कि आप इसकी जांच के लिये सदन की कमिटी बना दीजिये तो चुनाव में तथा चुनाव के पहले या बाद का सबका पर्दाफाश हो जाय । इसीलिये मैं कहना चाहता हूँ कि एफ० इाई० आर० में नाम आ जाय तो वह खास बात नहीं है । और इस तरह एफ० आई० आर० में नाम आता है तो आप जिम्मेदार हैं, सदन जिम्मेदार है और इस तरह किसी की भी इज्जत नहीं बच सकती है । आज आप किसी को कहते हैं,

कल हमारा नाम लेंगें और परसों मुख्यमंत्री का नाम लेंगें और चौथे दिन नेता विरोधी दल का नाम लेंगें इसलिये यह सदन की मार्यादा के प्रतिकूल है, इसलिये सारी बातों की छानबीन करके कार्रवाई करेंगें । पार्टी तैयार रहेगी कि पार्टी किस तरह कसूरवार है । मैं मुख्यमंत्री की तारीफ करता हूँ कि मुख्यमंत्री वहां गये और जो घटना घट रही है आज उसका मुख्यमंत्री स्थाई रुप से इलाज सोचिये । वे चले जाते हैं और सूचना ले आते हैं इतने से की काम नहीं चलेगा बल्कि इसपर सारे सदन को, सभी पार्टियों को सहयोग लेना चाहिए ।

दूसरी बात मैं कहना चाहता हूँ जहानाबाद में काउन्टिंग के दिन क्या हुआ, अगल-बगल में क्या हुआ वह आप जानते हैं । आप हीं के दल के श्री सोनाधारी सिंह के यहां कहां-कहां गोली चली आपने सुना है इसलिये इस तरह किसी पार्टी के बारे में कह देना हीं काफी नहीं है बल्कि समूचे गांव में सिर्फ एक हीं बन्दूक है इसलिये आप देखिये कि उस गांव के जो लोग लेना चाहते बन्दूक उनका चरित्र कैसा है, उनका चरित्र देख कर उस गांव में जितने लोग राईफल, बन्दूक लेना चाहते हैं, खरीदना चाहते हैं उनकी इजाजत दीजिये, लाईसेंस दे दीजिये । मैं मुख्यमंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि उनका डोसियर देखकर, चरित्र देखकर उस गांव में सीधे आप 25 नाल बंदूक, राईफल जो खरीदना चाहे दे दें, वहां पर एक परमानेंट पुलिस स्टेशन बनाइये । बहुत बड़ी बस्ती है । एक ही गांव का नाम आया है, एक ही गांव के मुद्दई भी हैं और एक ही गांव के मुद्यालय भी हैं, बाहरी लोगों का नाम जितना चाहें दे दें, मेरे समझ में उन लोगों की गिरफ्तारी होना सम्भव

नहीं है । इसलिये उस गांव में और आग भड़के, मार-पीट नहीं हो अगर उस गांव में फिर से आग भड़केगी तो, मैं उम्मीद रखता हूँ, ऐसा नहीं हो, ईश्वर करे, नहीं तो वह गांव स्वाहा हो जायेगा । आस-पास पर भी इसका असर पड़ेगा । इसलिये मिल-जुल कर शांति स्थापना की कोशिश हो, वहां चलने के लिये मैं तैयार हूँ, मैं उस गांव पर एक बार नहीं, बार-बार देखा हूँ इसलिये मेरी चिन्ता भी है, इच्छा भी है, मैं जाऊँगा ही, और लोग चलें, मैं जाने को तैयार हूँ । एक दूसरे पर आक्षेप करके, कांग्रेस के ही लोग करा देते हैं, करवा रहे हैं, यह कहने से काम चलने वाला नहीं है । मैं नम्रतापूर्वक मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूँ कि वे विषय की गंभीरता को समझेंगे, गंभीरता को देखते हुये इलाज करेंगे । एक ही प्रश्न अखबार का नहीं है, वहां पांच यादव मरे हैं, कुछ लोग मजा ले रहे हैं-इस तरह की घटना घट रही है जो इस राज्य के लिये बहुत ही भयंकर साबित होगा आगे चलकर इन्हीं के शब्दों के साथ यदि मुझसे कोई गलती हो तो कृपा कर सदन मुझे क्षमा करेगा ।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मा० सदस्य श्री कुमुद रंजन झा जी के द्वारा कार्य-स्थगन प्रस्ताव लगाया गया था, उस समय कह रहे थे कि कार्य-स्थगन प्रस्ताव को मंजूर कर दिया जाय और बहुत जोर से चिल्ला रहे थे, कुमुद जी बहुत जोर से चिल्ला रहे थे, कांग्रेस के लोग कह रहे थे कि मंजूर किया जाय और जब सच्चाई कहा जा रहा है तो फिर चिल्ला कर कह रहे हैं कि मत कहिये ।

घटना घटी है, सभी को चिन्ता है, सदन को भी चिन्ता है, लेकिन अध्यक्ष महोदय मैं चाहूँगा कि इस घटना के थोड़ा

पीछे चलकर इसको देखा जाय कि आखिर घटना कैसे घटी, इस तरह से बिल्कुल साफ हो जायगा । डाक्टर जगन्नाथ मिश्र जब मुख्यमंत्री थे, चुनाव के थोड़ा समय पूर्व वहां आरक्षी अधीक्षक का पदस्थापन किया । आरक्षी अधीक्षक का पदस्थापन किया गया, उस परिस्थिति में पदस्थापित किया गया जब बिहार के मुख्य सचिव उस आरक्षी अधीक्षक को पदस्थापित करने पर अपनी अनुशंसा इसके विपरीत दिया । मुख्य सचिव ने अपनी अनुशंसा में कहा कि यह आरक्षी अधीक्षक जिले में पदस्थापित होने के काबिल नहीं है ।

श्री जगन्नाथ मिश्र : जिसने आपको सूचना दी है, वह गलत दी है ।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, उस परिस्थिति में आरक्षी अधीक्षक को वहां पदस्थापित किया गया, आरक्षी अधीक्षक के द्वारा थाना में थाना प्रभारी का पदस्थापन किया गया । चुनाव को देखते हुये, मद्देनजर रखते हुये बूथ लूटने के लिये, बक्सा में मत-दान पत्र भरने के लिये । चुनाव के समय में जहां-जहां, जिस गांव में, निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस के विपरीत मत गये उसका हीट-लिस्ट बना, वहां एक हिट-लिस्ट बना हुआ है कि किस-किस मतदान केन्द्र पर कांग्रेस को वोट नहीं मिले हैं, उन गांवों को सफाया कर देना है । उसी क्रम में गांव के बूथ नं० 94 और बूथ संख्या-95 पर, बूथ संख्या-94 पर 15 वोट मिले और बूथ संख्या-95 पर कांग्रेस को 17 वोट मिले....

(सदन में शोर-गुल)

आपने जब कहा तो मैं सुना, मेरी बात को भी सुन लीजिये, माननीय रामलखन बाबू आप बुजुर्ग सदस्य हैं, मेरी बात तो सुन लीजिये ।

डा० जगन्नाथ मिश्र : वहां कांग्रेस नॉन-एगजिस्टींग है । जहां 19-20 पार्टी हो वहां उस समय बात उठ सकती है, उस गांव में कांग्रेस नॉन-एगजिस्टींग है । आई० पी० एफ० और सी० पी० आई० की जमात है, कांग्रेस फिगर में कैसे आयेगा, इसलिये तथ्यहीन बातें नहीं होनी चाहिये । किसमें कांटेस्ट होता है उसमें इस तरह की बात होती है, कांग्रेस तो वहां पर है ही नहीं ।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहानाबाद के लखावर गांव की घटना घटने के बाद अपराधी भागे जा रहे थे, अपराधी भागे जा रहे थे तो नारे लगा रहे थे थाना प्रभारी जिन्दाबाद, आरक्षी अधीक्षक, जिन्दाबाद और स्थानीय विधायक के नाम जिन्दाबाद के नारे लगा रहे थे । एफ० आई० आर० में अध्यक्ष महोदय, वहां के स्थानीय विधायक जगदीश शर्मा का नाम दर्ज है, रघुनाथपुर में घटना घटी, मुख्यमंत्री जी ने विधान सभा में आश्वासन दिया है गृह आयुक्त से जांच कराने का । रघुनाथपुर के विधायक दो दिनों से फरार थे विधान सभा से, मैं कहूँगा मुख्यमंत्री जी से कि कितने भी बड़े से बड़ा आदमी क्यों न हो जल्द से जल्द हिरासत में लिया जाय ताकि राज्य की जनता को विश्वास हो सके कि कोई भी बड़े से बड़ा आदमी अपराध करके बच नहीं सकता । आपने अभी एक गलती की है मुख्यमंत्री जी, आपने एक गलती की है, थाना प्रभारी आरक्षी

अधीक्षक और वहां से स्थानीय विधायक श्री जगदीश शर्मा, अब तक तीनों को हिरासत में बन्द कर देना चाहिये था लेकिन आपने आज तक नहीं कराया । कटघड़े में खड़े होते हैं आरक्षी अधीक्षक को पदस्थापित करने वाले, तत्कालीन मुख्यमंत्री, उनको भी कटघड़े में खड़ा कराइये । मुख्यमंत्री जी, एक ही जाति के, लोग हैं । अध्यक्ष महोदय, वहां ही घटना के प्रति सबको दुख है । सरकार को जब यह जानकारी मिली, स्वयं मुख्यमंत्री, लालू प्रसाद जी घटनास्थल पर गये, वहां की स्थिति की स्वयं उन्होंने जानकारी ली है, मृतक परिवार को 50-50 हजार मुआवजा दिया है और अध्यक्ष महोदय, मैं मुख्यमंत्री जी से एक मांग करूंगा कि जहानाबाद में अभी भी उन गांवों में आतंक व्याप्त है, गांव के लोग दहशत में जी रहे हैं । जहां कांग्रेस को बक्सों में वोट नहीं मिला था उन गांवों की सुरक्षा के लिये, मुख्यमंत्री जी आप व्यवस्था करें । मैं मांग करता हूँ अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करवाइये ।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूँ ।

श्री देवनारायण यादव : अध्यक्ष महोदय, अभी मैं एक शर्मनाक, दर्दनाक और दुःखद घटना पर बोलने के लिये खड़ा हुआ हूं । मैं माननीय सदस्यों की बातें सुन रहा था और ऐसा लगता था कि इस घटना के लिये व्याकुल होकर माननीय मुख्यमंत्री घटना को देखने के लिये दौड़ रहे हैं और सुनने से ऐसा लग रहा है कि यह घटना योजनावद्ध तरीके से की गयी है । तो इस घटना को देखते हुये हम कहेंगे कि अगर वहां कोई अच्छी और जबर्दस्त व्यवस्था नहीं की जायगी सरकार

की ओर से तो इस तरह की घटना घटती रहेगी । मैंने आज अखबार में पढ़ा और इसको देखा तो मुझे स्मरण आ गया जब मैं 1977 में चुनाव जीत कर आया था और हमारे क्षेत्र में इस तरह की घटना घटी थी । मैं वहां के कलक्टर और एस० पी० को बुलाकर कह दिया था कि या तो आप इसको रोके नहीं तो आप कह दें मैं इसका मुकाबला करूंगा, जितनी मेरी सामर्थ्य होगी और सही ढंग से मुकाबला करूंगा । आज स्थिति क्या हैं, एक जहानाबाद की घटना नहीं है, मैं पासिंग रेफरेंस के तौर पर कह रहा हूं कि मधुबनी जिला का उपगांव आज आतंक के चपेट में है । मुख्यमंत्री वहां भी गये है और वहां की स्थिति को देखा हैं । उन्होंने कुछ कदम भी उठाये जितने कारगर कदम होना चाहिये उन्होंने नहीं उठाया । हमारे मित्रों को तकलीफ होती है, तकलीफ इस बात के लिये होती है कि उनके ऊपर लांछन आता आता है । मैं उनसे निवेदन करना चाहता हूं और बड़ी विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहता हूं कि आपने उन घटनाओं को देखा है । आपने वहां जाकर सर्वेक्षण किया है । आपने कार्यक्रम देखा है कि कब से उसका सिलसिला शुरू हुआ है । मैं कई जगहों की बातें जानता हूं, चुनाव के वक्त से शुरू हुए और अन्त उसका अभी जो नयी सरकार बनी है उसके बाद भी नहीं हुआ । यह क्या मामला है? इसमें क्या रहस्य है? यह सुनियोजित ढंग से हो रहा है । मैं मुख्यमंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि आप दो-तीन काम कीजिये । जितने भ्रष्ट आफिसर कुछ दिन पहले जिले में रखे गये थे उनका एक ही काम था, वे भ्रष्ट आफिसर चुनाव के लिये वहां भेजे गये थे और चुनाव का काम उन्होंने किया है, जो उनको

खराब काम करना था, उन्होंने कर दिया । इसीलिये सबसे पहला कदम आप उन अफसरों को सुनियोजित ढंग से जो अच्छे अफसर हों, जो भ्रष्ट नहीं हों, जो बेदाग आफिसर हों, उनको जो सेंसिटिव क्षेत्र हैं और इस तरह के इलाके हैं उनको इस तरह की घटनाएं जहां घटती हैं, वहां पदस्थापित करने की कोशिश कीजिये और इस तरह के जो भ्रष्ट आफिसर हैं उनके तबादले के लिये आप, पहले उसकी घोषणा नहीं कीजिये, आप उनका तबादला कर दीजिये, नये आफिसर को भेज दीजिये, उसके बाद घोषणा कीजिये ताकि और जो काम हो रहे हैं गलत काम करना चाहते हैं, वे नहीं कर सकें ।

दूसरी बात मैं निवेदन करना चाहता हूं बन्दूक देने की जो प्रक्रिया हैं उसमें धन की श्रेष्ठता है, कुल की श्रेष्ठता है, आपको रूल्स को बदलना पड़ेगा और उसको तोड़ने के लिये आपको प्रयास करना पड़ेगा और साथ ही साथ उसको देखिये जो इसको लेने वाले हैं । जहां इस तरह की घटनाएं घटती हैं, आप लाईसेंस देने की कोशिश कीजिये ताकि वह उपनी आत्मरक्षा कर सकें और बच सकें । अभी आपने कुछ काम किया लेकिन वह यर्थेष्ट काम नहीं है । आपको कुछ और करना है । मैं समझता हूँ कि यह जितनी घटनाएं घट रही हैं, आपके लिये चुनौती है, इस चुनौती को आपको सहर्ष स्वीकार करना चाहिये । चाहे कोई भी दल, कोई भी पार्टी, कोई व्यक्ति करे उसको इस अपराध की सजा मिलनी चाहिये और उसके लिये आपको कटिबद्ध होकर तैयार होकर आना होगा, रुपये बांटने का काम नहीं करना चाहिये बल्कि सुदृढ़ व्यवस्था के लिये प्रयास करना चाहिये ।

अध्यक्ष महोदय, आपने लालबत्ती दिखा दी इसीलिये इन्हीं शब्दों के साथ में अपना आसन ग्रहण करता हूँ ।

घोसी कांड पर सरकारी वक्तव्य

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, कार्य-स्थगन सूचना के माध्यम से सदन का ध्यान हरलाखी की घटना, घोषी थाना के लखोर गांव, जो बहुत बड़ी आबादी वाली गांव है, की ओर आकृष्ट किया गया है । मैं तथ्य को छिपाना नहीं चाहता हूँ । इस सदन के माध्यम से बिहार की जनता को विषय वस्तु से अवगत कराना चाहता हूँ । इन घटनाओं के अलावे माननीय सदस्य श्री कुमुद रंजन झा ने मेरे शासन के 15 दिन के 15 घटनाओं को उल्लेख किया है । अध्यक्ष महोदय, आपने नियमन दिया है कि यह हरलाखी तक ही सीमित रहे, लेकिन ये संतुष्ट नहीं हुए । अध्यक्ष महोदय, जब गांव में आग लगती है तो कुत्ता नहीं जलता है, कुत्ता गांव से बाहर निकल जाता है । चाहे हरलाखी की घटना हो, रघुनाथपुर की घटना हो, लखोर की घटना हो या भागलपुर की घटना हो, मैं इन सारे जगहों में राहत और रिलीफ ही नहीं बंटवा रहा हूँ, बल्कि मैं एक मोर्चा पर लड़ रहा हूँ । हमने इनलोगों को छोड़ा भी नहीं है । मैं तमाम पार्टी के लोगों को बुलाने का काम किया और आगे भी बुलाने का वादा किया है । साथ ही साथ इसकी गहराई में मैं जाने का काम लगातार 24 घंटे जगकर कर रहा हूँ । एक तरफ विधान सभा हमारे सामने चुनौती है और दूसरी तरफ हमारी पुलिस बल लगातार साम्प्रदायिक सद्भावना इस राज्य में बनाये हुए हैं । मुझे अफसोस भी हो रहा है । मैं लखोर गया तो मुझे

ऐसा लगा कि बहुत गहरी साजिश इन घटनाओं के पीछे हो रही है । यह साजिस सरकार कि ध्यान बंटाने के लिए किया जा रहा है और पुलिस बल कैसे बैठ जाये । उन घटनाओं पर ये लोग पर्दा डालने का काम कर रहे हैं जिससे पुनः इस तरह की घटना इस राज्य में फले-फूले । इसकी भी जांच हम कर रहे हैं ।

अध्यक्ष महोदय, मैं लम्बी-चौड़ी बात नहीं करना चाहता हूँ । इन घटनाओं के विषय में हर जगह जांच करवा रहे हैं, चाहे रघुनाथपुर की घटना हो, चाहे मधुबनी या घोषी की घटना हो और 15 दिनों के अन्दर रिपोर्ट मंगवा रहा हूँ । मैंने बेनीपट्टी सबडिवीजन के एक गांव में, जो मंडलों का गांव है, देखा कि जिन लोगों ने विपक्ष को वोट दिया, उनके संबंध में सी० बी० आई० की रिपोर्ट छपी हुई हैं ।

श्री कुमुद रंजन झा : अध्यक्ष महोदय, इसकी सर्वदलीय जांच करायी जाए ।

श्री लालू प्रसाद : मैंने नेता विरोधी दल से पूर्व में आग्रह किया था कि आपकी बात ध्यानपूर्वक मैं सुन रहा था और इसको साधने का काम कीजिए । हमारे माननीय सदस्य श्री सोडानी जी, जो पीछे बैठे हुए हैं, बार-बार उठते हैं जैसे उनके मुंह में फुसरी हो । वे मिनट-मिनट उठते रहते हैं ।

माननीय सदस्य श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा ने दो दिन पहले सवाल उठाया था और प्रश्न के जवाब मैंने उनको कहा था कि चुनाव आयोग, एक निष्पक्ष संस्था है जिसका गठन लालू प्रसाद या विश्वनाथ प्रताप सिंह ने नहीं किया है । जिसे तरह से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का स्थान है, उसी तरह से

चुनाव आयोग का निष्पक्ष स्थान है, इसका आदर है । जब राज्यपाल के अभिभाषण पर संशोधन का प्रस्ताव डा० जगन्नाथ मिश्र ने दिया है और उसका शुरूआत होगा तो मैं बोलूंगा । आपने ऐसे एस० पी० को रखा है, लगता है आपने मकरा का जाल फैलाया था । मैं इसको भी गंभीरता से देख रहा हूँ । जब मैं सरकार में नहीं था उस समय भी जगन्नाथ जी इलेक्शन कमीशन के बारे में कुछ बातें कही थी । मैं इस संबंध में कुछ नहीं कहना चाहता हूँ । अध्यक्ष महोदय, जिस एस० पी० के खिलाफ सी० बी० आई० ने चार्जसीट दिया है, सेंसर करने के लिए जब डा० मिश्रा जी मुख्यमंत्री थें, तो वह संचिका लंबित रही ।

जब मैं लखोर गांव गया जहां नरसंहार की इतनी बड़ी घटना हुई थी । हमारे साथ डी० जी० पुलिस और स्पेशल ब्रांच के पदाधिकारी भी गए थे । मैं वहां हेलीकॉप्टर से गया था । मैंने सबसे पहले पांच शव को देंखने का काम किया । हजारों-हजार की संख्या में लोग पोस्टमार्टम के समय जहानाबाद अस्पताल के पास खड़े थे और दो ही नारे लगा रहे थें । जिनके परिवार के सदस्य मारे गए वे भी दो ही नारे लगा रहे थे, (1) पहला नारा था कि जगदीश शर्मा, को गिरफ्तार करो । और दुसरा नारा था कि जहानाबाद एस० पी० को गिरफ्तार करों । हमारे साथ दूसरे पदाधिकारी भी थे । मैं डा० मिश्रा से कहना चाहता हूँ कि जो वहां नारे लगाए गए और जो मैं कह रहा हूँ कि सदन के लोग जायें और वहां पदाधिकारी भी जाए और इस बात की जांच करें कि मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव नारे के संबंध में जो बोले हैं, वह सत्य है या झूठ है । कई माननीय सदस्यों ने

कहा, लेकिन मैं जांच के पूर्व मैं श्री जगदीश शर्मा को दोषी या निर्दोष नहीं मानता हूँ । जब माननीय सदस्य श्री रमेन्द्र कुमार ने कहा कि घटना के समय श्री जगदीश शर्मा वहां नहीं थे, इस पर माननीय सदस्य राजो सिंह ने कहा कि वे लगातार घटना के पहले और घटना के दिन थे । मैंने इसकी जांच की है कि 23/03/90 को वे उपस्थित थे, 24/03/90 को बैठक नहीं थी, 25/03/90 को बैठक नहीं, 26/03/90 को अनुपस्थित थे और दिनांक 27/03/90 में यह घटना हुई । या स्लिप मैं सफाई के लिए रखा हूँ ।

(सदन में भारी शोरगुल)

अध्यक्ष : शांति, शांति । माननीय मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि रमेन्द्र बाबू ने क्या कहा और राजो बाबू ने क्या कहा ।

डा० जगन्नाथ मिश्र : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न हे । यदि मुख्यमंत्री और आपका रूलिंग हो जाए कि यदि कोई सदस्य गैर-हाजिर हो और उसके क्षेत्र में क्राईम हो जाए तो उसके लिए संबंधित एम० एल० ए० जिम्मेवार होगा?

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत बार डा० मिश्रा के साथ बाहर में रहा हूँ और नजदीक में भी उनके साथ रहने का मौका मिला, लेकिन अब प्रमाणित होता है कि डा० मिश्रा को जिन्होंने पी० एच० डी० की डिग्री दी, उसका औचित्य संदेहास्यपद है ।

(सदन में शोरगुल)

अध्यक्ष : शांति शांति, आप बैठ जाइये । नेता विरोधी दल खड़े हुए है ।

डा० जगन्नाथ मिश्र : अध्यक्ष महोदय, सदन नेता से मेरा निवेदन है कि अब वे मुख्यमंत्री है । और सदन नेता है । वे अब यहां नहीं बैठे हुए हैं, वहां बैठे हुए है । पहले वे क्या थें ? शोर मचाते रहते थे । वे अपनी सुरक्षा बन्दूकधारियों की बीच कराते थे । अब आप उस स्थिति से बदल जाइये, उसकों भूल जाइये । अब आप जिममेवार मुख्यमंत्री हैं, सदन नेता है ।

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैने कहा कि माननीय सदस्य की श्री रमेन्द्र बाबू ने कहा कि माननीय सदस्य श्री जगदीश शर्मा हाऊस में नहीं थे । माननीय सदस्य राजा बाबू ने कहा कि वे थे । मैंने यह नहीं कहा है कि वे दोषी है, नहीं हैं ।

(सदन में पुनः जोरों का शोरगुल)

श्री लालू प्रसाद : ये सरकार के उत्तर को सुनना नहीं चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, सदन के सामने मैं एफ०आई०आर० को पढ़ कर सुनाना चाहता हूँ ।

(कांग्रेस बेन्च की ओर से कई सदस्य खड़े होकर बोलने लगे जिससे सदन में शोरगुल)

श्री लालू प्रसाद : मैं जानता हूँ और मैं इसको स्वीकार करता हूँ कि इसकी जांच हो जायगी, मैं इससे कतराने वाला नहीं हूँ, मैं आगे आ रहा हूँ । अध्यक्ष महोदय, एफ० आई० आर० में श्री जगदीश शर्मा के हाथ होने की आशंका है । एफ०आई०आर० में श्री जगदीश शर्मा के लोगों का हाथ होने का जिक्र है ।

(इस अवसर पर कांग्रेस (आई०) के सदस्यों ने एक साथ खड़े होकर बोलना शुरू कर दिया । तत्पश्चात सदन से वाक आउट कर गये)

अध्यक्ष महोदय, कल मैं लखावर गांव गया था और जाकर वहां हजारों हजार नर नारियों प्रभावित परिवार के लोगों से घूम घूम कर और घटनास्थल पर जाकर वस्तुस्थिति को जानने का काम किया । मेरे भाई मारे जायं तो मेरे मुँह से सच्ची घटना निकलेगी ही । मेरे पास इस घटना से संबंधित एफ०आई०आर० है उसे मैं माननीय सदस्यों की जानकारी के लिए पढ़ देना चाहता हूँ । वह इस प्रकार है–

हमारा नाम नगीना प्रसाद यादव पे० जानकी यादव सा० लखावर, थाना घोषी, जिला जहानाबाद है । हम आज तारीख 27.3.90 समय करीब 23.00 बजे रात्रि में घोषी के दरोगा जी के समक्ष अपने घर पर बयान करता हूँ कि आज शाम करीब 7.30 जनमेजय यादव के बैठका पर जहां लालटेन जल रहा था गांव के महावीर यादव, मुसाफिर यादव, राम अवतार यादव, संतलाल यादव, हरिचरण यादव, जनमंजय यादव, भाई उपेन्द्र कुमार, राम भवन यादव, युगल यादव, सभी साकिनान लखावर समाचार सुन रहे थे कि इतने में गांव के नगदम यादव और बाबु चन्द यादव दौड़ते हुए हमलोगों के पास आए और बोले कि बहुत–सा लोग पुलिस के भेष में रायफल लिए इधर आ रहा है कि इतने बात वे बोल ही रहे थे कि करीब कि 30–40 उग्रवादी पुलिस के कुछ वर्दी में कुछ सादा भेष में थे सभी के हाथ में रायफल थे आते आते हम सबको खोजने लगा कि

बैठका के दुआरी पर हमारा भाई उपेन्द्र यादव उनलोगों से पूछने लगे कि क्या बात है तुमलोग कौन । इसी पर उग्रवादी सब अपने-अपने हाथ में लिए रायफल था कुछ कोठरी में घुसकर चुन-चुन कर मारने लगे । कुछ बाहर रायफल लिए खड़े थे । हम किसी तरह मौका पाकर पिछला दरवाजा से भाग निकले । उग्रवादियों में से (1) सजीवन यादव पे० श्यामलाल यादव (2) उमेश राय पे० मिस्त्री राय (3) अवधेश यादव पे० मुनारिक यादव (4) विजेन्द्र यादव पे० लखन यादव (5) राम उदित यादव पे० इन्द्रदेव यादव (6) राजनन्दन यादव पे० रामेश्वर यादव (7) रामेश्वर यादव पे० नन्हक यादव (8) राम सेवक पासवान पे० दुर्गा पासवान (9) अम्बिका पासवान पे० रामसेवक पासवान (10) महेश पांडेय पे० नथुन पांडेय (11) मुनारिक यादव पे० रामावतार यादव (12) सत्य ना० यादव पे० रामसेवक यादव दलान के अन्दर रायफल लिए मार रहा था । हमको भागते हुए देखकर बाबूचन्द यादव भी भागा तो अवधेश यादव पे० मुनारिक यादव ने उस पर भी फायर किया जिससे उनके सीने में गोली लगी । अवधेश के अलावे (13) सचिता यादव पे० सीताराम यादव (14) नथुन यादव पे० नेतुल यादव (15) बली यादव पे० ईश्वर यादव (16) देवशरण राय पे० सुरेन्द्र राय (17) शशिरंजन यादव पे० नथुन यादव (18) महेन्द्र यादव पे० लली यादव (16) नन्द किशोर यादव पे० लली यादव (20) मृत्युंजय यादव पे० विलास यादव (21) वृक्षा पासवान पे० राजकुमार पासवान (22) किशोरी यादव पे० सीताराम यादव सभी किसान लखावर, थाना घोषी, जिला जहानाबाद के हैं ।

इनलोगों ने बताया कि अभियुकत लोग मुझे मदद करने के लिए कहते थे और कहते थे कि जगदीश शर्मा को वोट

दो । मेरे इन्कार करने पर यह कांड हुआ । जख्मी लोग घटना की बात बताएंगे । यही हमारा बयान है जिसे पढ़कर सुन लिया और सही पाकर हस्ताक्षर कर दिया ।

इस गांव की आबादी आठ हजार की है । इस घटना के बाद मैं दोबारे उस गांव में गया था । मेरे साथ प्रदेश अध्यक्ष, जनता दल, श्री राम सुन्दर दास और श्री वैद्यनाथ पांडेय भी घटनास्थल पर गए थे जहानाबाद के इस गांव में जहां यह घटना घटी है, जहां निर्दोष लोग मारे गए । जो मृतक के आश्रित हैं उनको पचास पचास हजार रुपए देने की घोषणा और दोषी व्यक्तियों को सजा दी जाय जो सयानी बहनें हैं और जिस परिवार में उनको देखने वाला कोई नहीं है उनकी शादी के लिए दस दस हजार रुपया, जो विधवा हो गयी हैं उनको भी दस दस हजार रुपया देने की घोषणा हमने की है । जो बच्चे हैं और जिनको देखने वाला कोई नहीं है, उनकी सुनने वाला कोई नहीं है उनके लिए आदेश दिया है कि उनकी पढ़ाई की व्यवस्था की जाय, विधवाओं को सरकारी नौकरी में रख लिया जाय, जो नौवजवान लड़के हैं और जिनका अभी तक नाम नहीं है उनके लिए आदेश दिया है कि अभी उनकी गिरफ्तारी नहीं हो । डी० जी० पुलिस भी वहां गए थे । डी० आई० जी० और रिजनल आई० जी० वहां कैम्प कर रहे हैं ।

मैंने आरक्षी महानिदेशक को आदेश दिया है कि अविलम्ब मुख्यालय से किसी वरीय पदाधिकारी को तथा अतिरिक्त फोर्स घोसी भेजने की व्यवस्था करें ताकि अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई तुरत हो सके । महानिदेशक के आदेश पर पटना

के प्रक्षेत्रीय महानिरीक्षक तथा मुख्यालय के एक वरीय उपमहा निरीक्षक फोर्स लेकर प्रस्थान कर गये तथा लखावर पहुंचकर उनलोगों ने छापामारी इत्यादि का कार्य आरम्भ कर दिया । मैंने जहानाबाद पहुंचकर मृतकों के शवों को देखा तथा अस्पताल में घायल संतलाल यादव से बातचीत की एवं डाक्टरों को निदेश दिया कि उसकी चिकित्सा की पूरी व्यवस्था होनी चाहिए तथा आवश्यकतानुसार उसे पी०एम०सी०एच० भेजा जाय । इसके तुरत बादि मैं लखावर गया तथा सैकड़ों ग्रामीणों से बातचीत की । मैंने जनमंजय यादव के घर में उस स्थान को भी देखा जहां से गोली चली थी । इसके पश्चात् प्रतयेक मृतक के घर पर गया तथा उनके परिवार के अश्रितों से बातचीत की तथा उन्हें सन्तावना दी । उन्हें पचास-पचास हजार रुपये की अनुग्रह देने का आदेश दिया है तथा उन सभी के परिवारों एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी में लेने का आदेश दे दिया । मैंने महानिदेशक तथा स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों को आदेश दिया कि अभियुक्तों पर बहुत ही सख्त कार्रवाई होनी चाहिए और इस प्रकार की घटना की पुनरावृति न हो इसके लिये कारगर कार्रवाई होनी चाहिए । मैंने आरक्षी अधीक्षक की तत्काल स्थानान्तरित करने का निर्णय लिया तथा आरक्षी महानिदेशक को आदेश दिया कि वे इन्हें दिनांक 27-3-90 को ही विरमित करने की दिशा में कार्रवाई करें । अगर विपरित नहीं होते हैं तो निलम्बित करने की भी कार्रवाई करें । मैंने श्री नगीना प्रसाद यादव की सुरक्षा के लिये, जिनके ऊपर घातक प्रहार होने वाला था, जिन्होंने इन्कार किया था कांग्रेस को वोट देने से, व्यक्तिगत रूप से डी०जी० के सामने मैंने उनसे बात

की, उनकी रक्षा के लिये अंगरक्षक देने का उसी समय आदेश दे दिया । अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का इरादा, अपने इरादा को दोहराता हूँ । सरकार निश्चित रूप से जो दोषी लोग हैं, अपराधी हैं, जिनका घटना में हाथ होने का आरोप है, सरकार पूरी सख्ती के साथ, चाहे व्यक्ति कोई हो, किसी दल का हो, किसी बड़े पोस्ट पर हो, उसे निश्चित रूप से एक-दो महीना मैं चार्जसीट देने का, गिरफ्तार करने का, कुर्की-जब्ती करने का आदेश दे दिया है । सरकार किसी भी स्तर पर ऐसे काण्डों में किसी पार्टी, किसी व्यक्ति, किसी तबके के लोगों के सामने झुकने वाली नहीं है । डा० जगन्नाथ मिश्र तथा उनके और साथी सदन से उठकर बाहर चले गये है । डा० मिश्र को इसमें दिलचस्पी नहीं है, इच्छा नहीं है, उनकी पार्टी की इच्छा नहीं है । इस तरह के नरसंहार पर उनका कोई सुझाव होता लेकिन वे सुझाव देना नहीं चाहते थे । केवल यह चाहते हैं कि सरकार को वैसे बदनाम कराया जाय । मैं पता लगा रहा हूँ, मेरी दृष्टि उन चीजों पर लगी है । विधि-व्यवस्था की बात उठाते हैं इस सरकार के सामने एक चुनौती है शांति सद्भावना कायम करने का । ऐसे अवसर पर मैं उनकी पार्टी को, उनके नेताओं को हर स्तर पर बुलाकर राय जानने का काम किया है लेकिन उनकी मंशा साफ नहीं है । उन्होंने अपनी बात कही लेकिन जब दूसरे माननीय सदस्य अपनी बात रखना चाहते हैं तो ये चाहते हैं कि उनकी दिशा को दूसरी दिशा में मोड़ दें । इस घटना के संबंध में, बिहार की जनता को, विशेषकर गरीब तबके के लोगों को, जो हमारे मालिक हैं कहना चाहते हैं कि हमारा निर्णय सेक्रेटारियट में बैठे--बैठे नहीं होना चाहिए । जो

दुखिया हैं, हमसे ज्यादा उनको ज्ञान है, इसलिये जहां घटना इस तरह की घटती है वहां जाकर मैं उनसे सही जानकारी पता लगाता हूँ और जो उनका आदेश होता हे, जो सच्चाई होती है, दोनों बात मिलाकर देखता हूँ और पाता हूँ कि जो नीचे के लोग हैं, गरीब लोग हैं उनकी जानकारी का स्त्रोत पक्का है ।

बिहार की जनता को आश्वस्त करना चाहता हूँ कि इस प्रान्त में नरसंहार करने वाले लोगों के साथ कड़ाई से सरकार निपटेगी । इस राज्य को इस तरह के अपराध से मुक्त करना चाहता हूँ और करूंगा । रामनवमी के बाद हमारा यह मुहिम चलेगा और अमन चैन कायम किया जायगा । अध्यक्ष महोदय, सदन में एक सुझाव आया है कि अब तक रिवालवर, रायफल और बन्दूक देने की लाइसेन्स देने के लिये जो परिपाटी चली आ रही है, उसे बदला जाया अभी तक कुल और आर्थिक हालत के आधार पर लाइसेन्स दी जाती थी । बड़े लोगों के पक्ष में लाइसेन्स दी जाती थीं, चाहे वह किसी भी चरित्र का क्यों न हो । यह अब चलने वाला नहीं है । न्याय सबों के लिये बराबर है । अब जो लोग बेदाग रहेंगे, उन्हीं को बन्दूक आदि की लाइसेन्स मिलेगी । सभी लोगों के साथ सामान्य व्यवहार किया जायगा ।

राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद-विवाद जारी :

श्री मो० अजीमुद्दीन : अध्यक्ष महोदय, हमारे सिकटी क्षेत्र के हजारों एकड़ जमीन कनकई, पनार, रकवा, बकरा आदि नदियों की बाढ़ और कटाव से बर्बाद हो रही है । मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र के टेढ़ागंज प्रखंड के बीबीगंज,